भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**लोक सभा**

लिखित प्रश्न सं. †2153

सोमवार, 9 दिसम्बर, 2024/18 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**प्रसाद और स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत परियोजनाएं**

**†2153. श्री बसवराज बोम्मईः**

**श्री अजय भट्टः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हम्पी, मैसूर, बीदर और उडुपी सहित कर्नाटक राज्य में राष्ट्रीय तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना और स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत परियोजनाओं के लिए स्वीकृत की गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) कर्नाटक में प्रत्येक स्वीकृत परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है और इसे पूरा करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है;

(ग) राज्य सरकार के परामर्श से प्रसाद योजना और स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत इन परियोजनाओं को चिन्हित करने और प्राथमिकता तय करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार की उक्त योजनाओं के अंतर्गत हावेरी-गडग को एक गंतव्य स्थल के रूप में शामिल करने की कोई योजना है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(च) क्या सरकार को प्रसाद योजना के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य में परियोजनाओं की स्वीकृति हेतु कोई अन्य प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) और 'स्वदेश दर्शन' (एसडी), की केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से, कर्नाटक राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के उनके प्रयासों को सम्पूरित करता है।

मंत्रालय ने अब स्थाई और जिम्मेदारीयुक्त गंतव्यों का विकास करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है एवं कर्नाटक में हम्पी और मैसूर सहित देश में 793.20 करोड़ रुपये की 34 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत एक उप-योजना, 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' के लिए दिशानिर्देश भी जारी किए हैं। इस उप-योजना का उद्देश्य पर्यटक अनुभव को बढ़ाने के लिए गंतव्य का समग्र विकास करना है एवं मंत्रालय ने कर्नाटक में 'बीदर' और 'उडुपी' सहित देश में सीबीडीडी के तहत 42 गंतव्यों को चिह्नित किया है।

उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाएं संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा कार्यान्वित की जाती हैं। पर्यटन मंत्रालय परियोजना की प्रगति की नियमित निगरानी करता है और संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को भी समयबद्ध तरीके से परियोजनाओं को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। कर्नाटक में प्रशाद और एसडी 2.0 योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की स्थिति **अनुबंध** में दी गई है।

(ग): प्रशाद योजना के तहत तीर्थयात्रा गंतव्यों/विरासत स्थलों का चयन/पहचान विभिन्न पैरामीटरों पर आधारित है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ  पर्यटकों की संख्या, स्थानों का सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और विरासत संबंधी महत्व, राष्ट्रव्यापी विकास सुनिश्चित करने के लिए समान प्रतिनिधित्व , निधियों की उपलब्धता और अन्य कई कारक शामिल हैं। यह प्रक्रिया राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है।

एसडी 2.0 योजना दिशा-निर्देशों के अनुसार, राज्य सरकारें/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन विनिर्दिष्ट पैरामीटरों के आधार पर विभिन्न गंतव्यों की पर्यटन संभावना का विश्लेषण करते हुए राज्य की भावी योजनाएं तैयार करते हैं एवं तत्पश्चात् योजना के तहत विकास हेतु पर्यटन मंत्रालय द्वारा गंतव्यों का चयन किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता के लिए समय-समय पर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। इन प्रस्तावों की योजना दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और निर्धारित प्रावधानों को पूरा करने और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

(घ) और (ङ): उक्त योजनाओं के तहत कर्नाटक राज्य सरकार से अभी तक निर्धारित प्रपत्र में कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं होने के कारण हावेरी-गडग का गंतव्य के रूप में विकास करने के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(च): प्रशाद योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय ने उत्तराखंड के चमोली जिले में तिमर्सियां महादेव (देवनाथ) स्थल को चिह्नित किया है। इसके अलावा, प्रशाद योजना के तहत उत्तराखंड में तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। उत्तराखंड में स्वीकृत परियोजना का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

*******

**अनुबंध**

श्री बसवराज बोम्मई और श्री अजय भट्ट द्वारा प्रसाद और स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत परियोजनाएं के संबंध में दिनांक 09.12.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †2153 के भाग (क), (ख) और (च) के उत्तर में **विवरण**

**कर्नाटक में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा**

**(करोड़ रु. में)**

| राज्य | परियोजना का नाम | स्वीकृति वर्ष | स्वीकृत लागत | वास्तविक प्रगति% | जिला |
|---|---|---|---|---|---|
| कर्नाटक | श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास | 2023-24 | 45.71 | 0 | मैसूरू |

**कर्नाटक में स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण**

| क्र. सं. | राज्य | गंतव्य | एक्सपीरियंस का नाम | स्वीकृत लागत (करोड़ रू.) | स्वीकृति की तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | कर्नाटक | हम्पी | "ट्रैवलर नूक्स की स्थापना" | 26.30 | 29-02-2024 |
| 2. | | मैसूरू | टोंगा राइड हेरिटेज एक्सपीरियंस जोन | 4.12 | 29-02-2024 |
| 3. | | मैसूरू | ईकोलॉजिकल एक्सपीरियंस जोन | 18.36 | 05-03-2024 |

**उत्तराखंड में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण**

**(करोड़ रु. में)**

| क्र. सं. | परियोजना का नाम | स्वीकृति वर्ष | स्वीकृत राशि |
|---|---|---|---|
| 1. | केदारनाथ का एकीकृत विकास | 2015-16 | 34.77 |
| 2. | बदरीनाथ जी धाम में तीर्थयात्रा सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास | 2018-19 | 56.15 |
| 3. | गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रा अवसंरचना सुविधाओं का विस्तार | 2021-22 | 54.36 |

*******